नवभारत
भोपाल, बुधवार 08 अप्रैल 2026

छतरपुर जिले के ढोड़न बांध क्षेत्र में धारा 163 लागू

केन-बेतवा प्रोजेक्ट : बाहरी व्यक्तियों को जिला छोड़ने का आदेश, कलेक्टर का सख्त रुख

छतरपुर, 7 अप्रैल. केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत बनने वाले ढोड़न बांध के डूब क्षेत्र और प्रभावित गांवों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने कड़े तेवर अपना लिए हैं. जिला मजिस्ट्रेट पार्थ जैसवाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए हैं.

प्रशासन को अंदेशा है कि कुछ असामाजिक तत्व निर्माण कार्य में बाधा डाल सकते हैं या लोकशांति को खतरा पैदा कर सकते हैं. इन गांवों में रहेगा 'सख्त पहरा' प्रशासन द्वारा जारी सूची के अनुसार, तहसील सटई के ग्राम ढोड़न, खरयानी, पलकौहा,

सुकवाहा, भोरखुवा, घुघरी और तहसील बिजावर के ग्राम कुपी, शहपुरा, बसुधा, नैगुवां, ककरा, पाठापुर, डुगरिया, कदवारा सहित इन गांवों की सीमाओं पर पाबंदियां लागू रहेंगी. इन क्षेत्रों में 5 या 5 से अधिक व्यक्तियों के अनावश्यक रूप से एकत्रित होने पर पूर्णतः रोक लगा दी गई है. बाहरी व्यक्तियों के लिए 'नो एंट्री' आदेश का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बाहरी लोगों से जुड़ा है. जिला मजिस्ट्रेट ने स्पष्ट किया है कि जो लोग इन गांवों के मूल निवासी नहीं हैं और दूसरे जिलों से आकर यहां रह रहे हैं, वे तत्काल जिले की सीमा छोड़ दें. यदि कोई विशेष कारण से रुका है, तो उसे संबंधित थाने में सूचना देकर पुलिस सत्यापन (वैरिफिकेशन) कराना होगा. बांध स्थल पर केवल अधिकृत अधिकारी और कर्मचारी ही प्रवेश कर सकेंगे. अगले 2 महीनों तक प्रभावित क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की आमसभा, जुलूस या प्रदर्शन के लिए अनुविभागीय दण्डाधिकारी (एसडीएम) की लिखित अनुमति अनिवार्य होगी. बिना अनुमति भीड़ जुटाने पर इसे लोकशांति के लिए खतरा माना जाएगा. यह आदेश 6 अप्रैल 2026 से प्रभावी हो चुका है.

उल्लंघन किया तो होगी जेल

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी. हालांकि, विशेष परिस्थितियों में प्रभावित व्यक्ति जिला मजिस्ट्रेट के न्यायालय में आवेदन देकर शर्तों में छूट की मांग कर सकेंगे.

दहेज में 5 लाख नहीं मिले तो तोड़ा रिश्ता

- शादी से 14 दिन पहले की थी दहेज की मांग
- पीड़ित परिवार ने एसपी ऑफिस में लगाई गुहार

छतरपुर, 7 अप्रैल. छतरपुर में दहेज की कुरीति का एक और मामला सामने आया है, जहां शादी तय होने के बाद अचानक पैसों की मांग बढ़ाने पर रिश्ता टूट गया. घटना से आहत पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है.

पिपट थाना क्षेत्र के ग्राम बम्हौरी निवासी गनपत अहिरवार के अनुसार, उनकी बेटी शारदा अहिरवार की शादी देरी रोड स्थित कृष्णा कॉलोनी निवासी देवेन्द्र अहिरवार से तय हुई थी. दोनों परिवारों की सहमति से 20 अप्रैल 2026 को विवाह होना था. पहले से तय शर्तों के तहत एक मोटरसाइकिल और 50 हजार रुपए दहेज में देने की बात हुई थी.

लेकिन 6 अप्रैल को लड़के पक्ष ने अचानक 5 लाख रुपए अतिरिक्त देने की मांग रख दी. जब लड़की पक्ष ने आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए असमर्थता जताई, तो लड़के पक्ष ने शादी से इंकार कर दिया और सगाई का सामान भी लौटा दिया. परिवार का कहना है कि शादी की सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी थीं. निमंत्रण पत्र बांटे जा चुके थे और अन्य व्यवस्थाएं भी तय थीं. ऐसे में अंतिम समय पर रिश्ता टूटने से परिवार को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ सामाजिक और मानसिक आघात भी पहुंचा है. घटना के बाद से परिवार गहरे तनाव में है. पीड़ित ने बताया कि बेटी और उसकी मां का रो-रोकर बुरा हाल है और उन्हें किसी अनहोनी की भी आशंका सता रही है.

छतरपुर पुलिस लाइन में जनरल परेड आयोजित

पुलिस अधीक्षक आदित्य पटले ने किया निरीक्षण

छतरपुर, 7 अप्रैल. छतरपुर पुलिस लाइन में मंगलवार को पुलिस बल की दक्षता, अनुशासन और शारीरिक क्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से जनरल परेड का आयोजन किया गया. परेड ग्राउंड पर आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों ने अनुशासित और सुसंगठित तरीके से अपनी प्रस्तुति दी.

परेड के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य पटले ने निरीक्षण कर सलामी ली. इस दौरान पुलिस बल द्वारा मार्च पास्ट सहित विभिन्न परेड अभ्यासों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें जवानों की समन्वय और अनुशासन स्पष्ट रूप से देखने को मिला. निरीक्षण के दौरान एएसपी ने पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कर्तव्य के प्रति सजग और अनुशासित रहने की बात कही.

> परेड कमांडर रक्षित निरीक्षक पूर्णिमा मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित इस परेड में मुख्यालय के विभिन्न थानों और शाखाओं के पुलिसकर्मी शामिल हुए. साथ ही यातायात स्टाफ, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड के सदस्य भी परेड में उपस्थित रहे.

जिला अस्पताल में एंबुलेंस में लगी आग

- गार्ड की सतर्कता से टला बड़ा हादसा
- एंबुलेंस की सुरक्षा व्यवस्था पर खड़े हो रहे सवाल

छतरपुर, 7 अप्रैल. छतरपुर जिला अस्पताल परिसर में खड़ी एक एंबुलेंस में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई. घटना के दौरान अस्पताल में मौजूद लोग घबराकर इधर-उधर भागने लगे.

आग तेजी से फैल रही थी, जिससे मौके पर मौजूद लोग एंबुलेंस के पास जाने से भी डर रहे थे. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग एंबुलेंस के बोनट के अंदर इंजन की तरफ से उठती दिखाई दी. लोगों को आशंका थी कि कहीं वाहन में विस्फोट न हो जाए, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था. इसी डर के चलते काफी देर तक कोई भी आग बुझाने के लिए आगे नहीं आया. इसी बीच अस्पताल का एक गार्ड फायर एक्सटिंग्विशर लेकर मौके पर पहुंचा और उसने साहस दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास शुरू किया. कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया. समय रहते आग पर नियंत्रण पाने से बड़ा हादसा टल गया.

फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है और नुकसान को लेकर भी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है. अस्पताल प्रशासन से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका पक्ष नहीं मिल सका. घटना का वीडियो सामने आया है, जिसे दो दिन पुराना बताया जा रहा है. बताया जा रहा है कि उस समय बारिश हो रही थी.

अवैध संबंध के शक में पत्नी पर किया हमला

- महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया
- डॉक्टरों ने कहा- महिला की हालत गंभीर

छतरपुर, 7 अप्रैल. जिले में एक बार फिर घरेलू रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है. अवैध संबंधों के शक में एक पति ने अपनी ही पत्नी पर बर्बरता की हदें पार कर दीं. आरोपी ने महिला के साथ न केवल मारपीट की, बल्कि उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया.

घटना के बाद परिजनों द्वारा महिला को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है. डॉक्टरों के अनुसार महिला की हालत गंभीर बनी हुई है. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पति को अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह था, जिसे लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ. विवाद इतना बढ़ा कि उसने हिंसक रूप ले लिया और आरोपी ने महिला पर हमला कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच शुरू कर दी गई है. पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ सख्त धाराओं में कार्रवाई की जाएगी. इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और लोग इस तरह की घटनाओं को लेकर चिंता जता रहे हैं.

धर्मपुरा में बकरी विवाद ने लिया हिंसक रूप

- कुशवाहा परिवार ने एसपी ऑफिस में दिया आवेदन

छतरपुर, 7 अप्रैल. छतरपुर जिले के नौगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत धर्मपुरा गांव में बकरी को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट में बदल गया। जानकारी के अनुसार, इस विवाद में कुशवाहा परिवार के साथ अर्धघुमक्कड़ समाज के कुछ लोगों द्वारा मारपीट की गई, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई.

घटना के बाद पीड़ित परिवार ने न्याय की गुहार लगाते हुए मंगलवार को दोपहर करीब 2:00 बजे पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर आवेदन सौंपा. परिवार का आरोप है कि उनके साथ बेवजह मारपीट की गई और उन्हें धमकाया भी गया. पीड़ितों ने प्रशासन से मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है. वहीं घटना को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा का माहौल बना हुआ है. फिलहाल पुलिस द्वारा मामले की जांच किए जाने की बात कही जा रही है.

एसडीएम ने गर्ल्स स्कूल की छात्राओं का किया मार्गदर्शन

बड़ामलहरा. शासन की मंशानुसार स्कूल चले हम अभियान के तहत शालाओं मे आयोजित भविष्य से भेंट कार्यक्रम में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ामलहरा में एसडीएम आयुष जैन ने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें भविष्य में उड़ान भरने की प्रेरणा दी . कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से करते हुए एसडीएम जैन ने छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि सर्वप्रथम आप जिज्ञासु बनें मन में उठने वाले प्रश्नों को नि :संकोच होकर शिक्षकों से पूछें .कब, क्या, क्यों का अर्थ समझें यही जिज्ञासा आपके भविष्य को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करेगी .

भारतीय किसान संघ का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

अधिक वर्षा से फसल नुकसान का मुद्दा उठाया

छतरपुर, 7 अप्रैल. छतरपुर नगर में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मंगलवार को भारतीय किसान संघ ने कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचकर जोरदार तरीके से अपनी बात रखी. दोपहर करीब 12:30 बजे संगठन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां उन्होंने आवेदन सौंपते हुए प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की.

किसान संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि हाल ही में हुई अधिक वर्षा के कारण जिले के कई क्षेत्रों में किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं. इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है और उनकी आजीविका पर संकट गहरा गया है. उन्होंने मांग की कि प्रशासन द्वारा तत्काल सर्वे कराया जाए और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए. इसके अलावा किसानों ने सिंचाई व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, खाद-बीज की उपलब्धता और अन्य कृषि संबंधी समस्याओं को भी आवेदन में प्रमुखता से उठाया. उनका कहना है कि लंबे समय से इन समस्याओं का समाधान नहीं होने के कारण किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे. वहीं प्रशासन ने आवेदन प्राप्त कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है.

छतरपुर नगर पालिका का 'विकासोन्मुखी' बजट

561 करोड़ का लेखा-जोखा पारित, 3 करोड़ की बचत के साथ शहर की सूरत बदलने की तैयारी

छतरपुर, 7 अप्रैल. नगर पालिका परिषद छतरपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें शहर के विकास का भविष्य तय करने वाला 561 करोड़ रुपये का बजट पेश किया गया.

विधायक ललिता यादव और नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया की गरिमामयी उपस्थिति में परिषद के सभी सदस्यों ने बिना किसी विरोध के इस बजट को अपनी मंजूरी दे दी. बैठक का मुख्य एजेंडा बजट सत्र था. मुख्य नगर पालिका अधिकारी माधुरी शर्मा और विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत इस बजट में शहर के सभी वार्डों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है. परिषद ने निर्णय लिया है कि स्वीकृत विकास कार्यों के लिए नियमानुसार निविदा (टेंडर) प्रक्रिया अपनाकर कार्य शीघ्र धरातल पर उतारे जाएंगे. नगर पालिका की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए बैठक में लगभग 20 से 25 करोड़ रुपये की नीलामी और आवंटन संबंधी प्रस्ताव भी रखे गए, जिन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया. इसके साथ ही, शहर को 'स्मार्ट' लुक देने के लिए तालाबों के सौंदर्यीकरण और आधुनिक लाइट व्यवस्था हेतु 5 से 7 करोड़ रुपये के अतिरिक्त विकास कार्यों को भी हरी झंडी दी गई.

आक्रोश छात्रों के फॉर्म नहीं भरने से बढ़ी परेशानी, नारेबाजी कर जताया विरोध

परीक्षा फॉर्म साइट बंद, विवि में एबीवीपी का प्रदर्शन

छतरपुर, 7 अप्रैल. छतरपुर नगर में परीक्षा फॉर्म भरने की वेबसाइट बंद होने से छात्रों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है. समय पर फॉर्म न भर पाने से सैकड़ों विद्यार्थी चिंतित नजर आ रहे हैं. इसी मुद्दे को लेकर मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया.

जानकारी के अनुसार, यह प्रदर्शन महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय परिसर में मंगलवार दोपहर करीब 1:00 बजे किया गया. इस दौरान एबीवीपी के पदाधिकारियों और छात्रों ने जमकर नारेबाजी की और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताया. छात्रों का कहना है कि परीक्षा फॉर्म भरने की साइट अचानक बंद हो जाने से कई विद्यार्थी समय पर आवेदन नहीं कर सके हैं, जिससे उनका भविष्य संकट में पड़ गया है. उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से जल्द से जल्द साइट शुरू करने और छात्रों को अतिरिक्त समय देने की मांग की है.

प्रदर्शन के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि समस्या का समाधान शीघ्र नहीं किया गया तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा. वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है.

आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ होना ही संपूर्ण स्वास्थ्य

- ब्रह्माकुमारी दिव्य धाम आश्रम में स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम

हरपालपुर, 7 अप्रैल. ब्रह्माकुमारी दिव्य धाम आश्रम में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मेरा भारत अभियान के अंतर्गत विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम में नगर के चिकित्सक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, कार्यक्रम के शुभारंभ में ब्रह्माकुमारी पूनम बहन ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व स्वास्थ्य का अर्थ केवल रोगों का अभाव नहीं, बल्कि व्यक्ति का शारीरिक,मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ होना है, हमें जीवन के इन तीनों आयामों के साथ-साथ आध्यात्मिक स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए, शारीरिक स्वास्थ्य के बारे में आपने कहा कि जीवन की वास्तविक सच्चाई को समझना, विचारों में सकारात्मक परिवर्तन लाना व हर परिस्थिति में स्थिर और प्रसन्नचित्त रहने का अभ्यास करना आवश्यक है सकारात्मक सोच ही मानसिक शक्ति का आधार है आध्यात्मिक स्वास्थ्य ही संपूर्ण स्वास्थ्य का मूल आधार है, कार्यक्रम के दौरान कुमारी शिवी ने परमपिता को तुम याद करो गीत पर सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी.